# हेरोल्ड के अंतरिक्ष में कारनामे

जॉनसन

रात में हेरोल्ड उठा. उसने यह सुनिश्चित किया कि
चाँद आसमान में हो जिससे उसे अंधेरे में डर न लगे.
फिर वो पानी पीने के लिए गया.

वो उन चीजों के बारे में सोच रहा था जो लोग अंधेरे में देखते हैं, और वे चीज़ें कहां से आती हैं. वह खुश था कि वो उन चीज़ों को चांदनी में नहीं देख सकता था.

अचानक उसे एहसास हुआ कि उसे चांदनी में कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा था. वहां देखने के लिए कुछ भी नहीं था. वो एक रेगिस्तान के बीचोंबीच था.
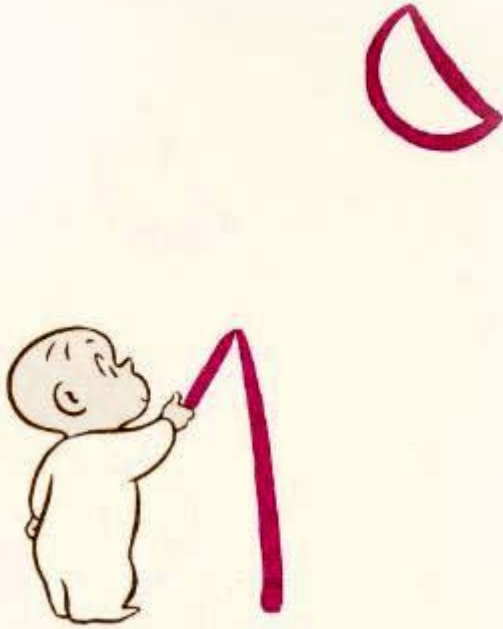
कोई आश्चर्य नहीं कि उसे इतनी ज़ोर की
प्यास लगी थी. लेकिन, सौभाग्य से वो अपना
बैंगनी क्रेयॉन साथ लाया था.
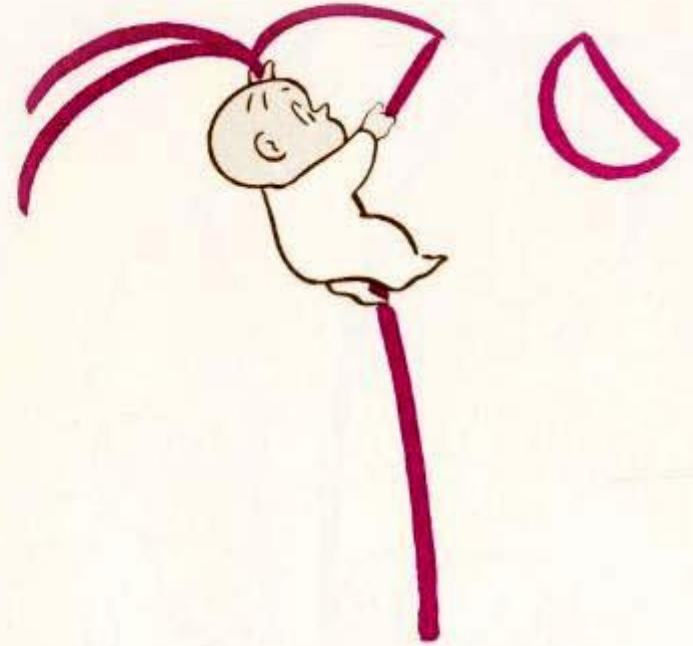
और उसे पता था कि रेगिस्तान
में पानी कहाँ मिलेगा.

हमेशा किसी ताड़ के पेड़ के पास
पानी का कोई कुंड ज़रूर होगा.

हैरोल्ड ने जमकर पानी पिया. रेगिस्तान में ठंडे
पानी से अच्छी और कोई चीज़ नहीं होती है.

अपने चारों तरफ देखकर हेरोल्ड को इस बात
का एहसास हुआ कि रेगिस्तान में उसे करने को
कुछ भी नहीं था. शायद रेत में खेलने के अलावा
वो वहां और कुछ कर भी नहीं सकता था.
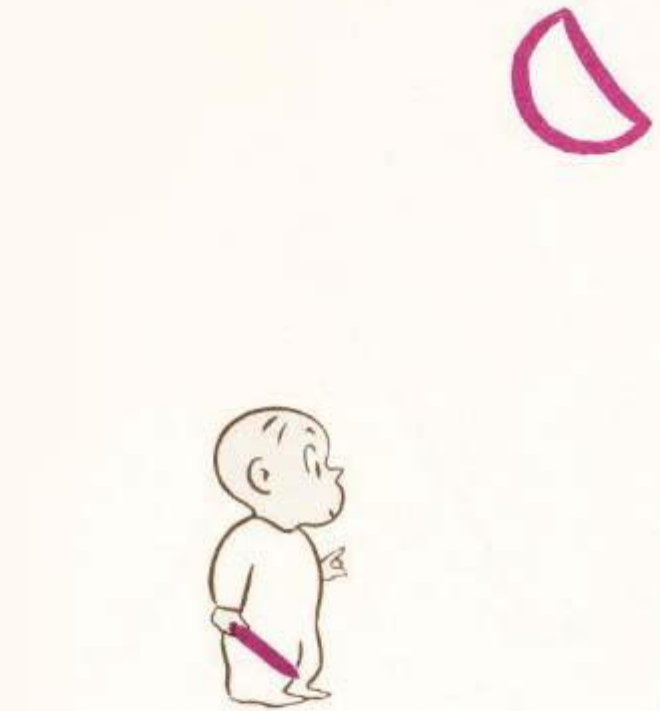
फिर उसे याद आया कि उसकी सरकार,
रेगिस्तान में एक मज़ेदार काम करती थी.
वो रेगिस्तान से अंतरिक्ष में रॉकेट छोड़ती थी.
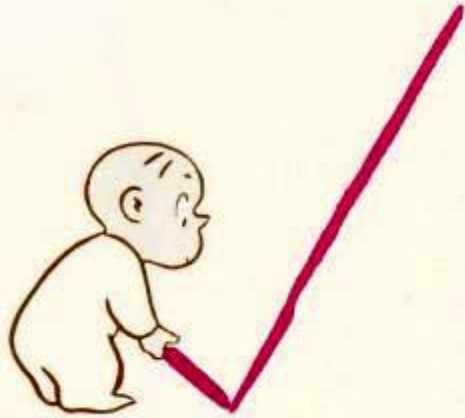
उसके बाद हेरोल्ड ने चाँद पर
जाने का फैसला किया.
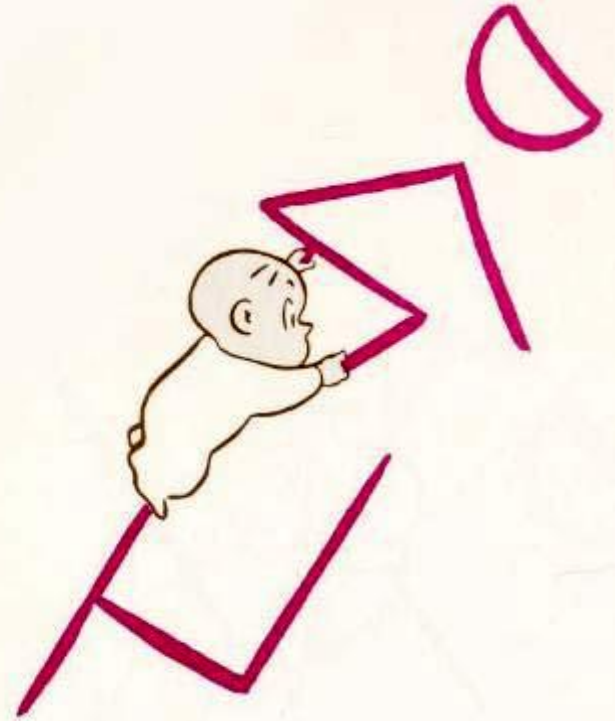
एक अच्छे तेज रॉकेट पर, उसे लगा, वो
अगले दिन नाश्ते के समय तक घर लौट सकेगा.
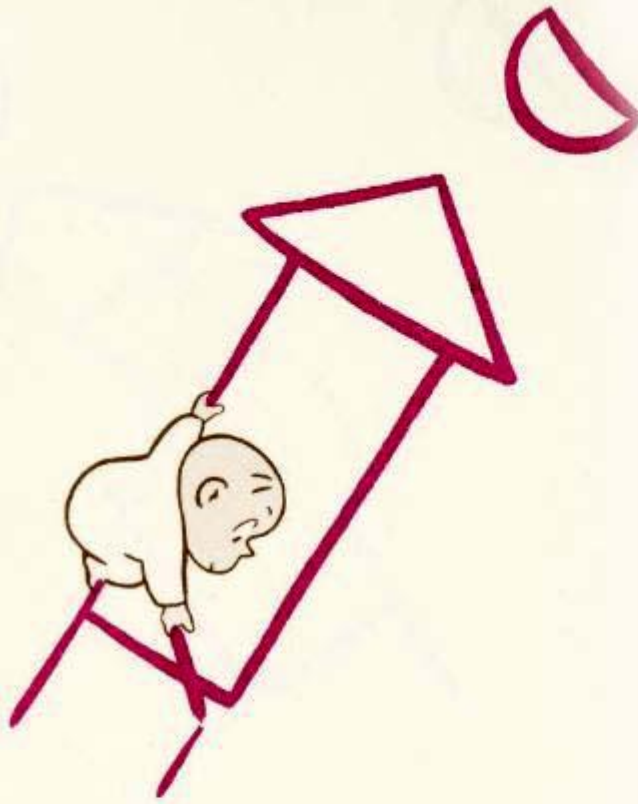
उसने अपना रॉकेट फायर किया.
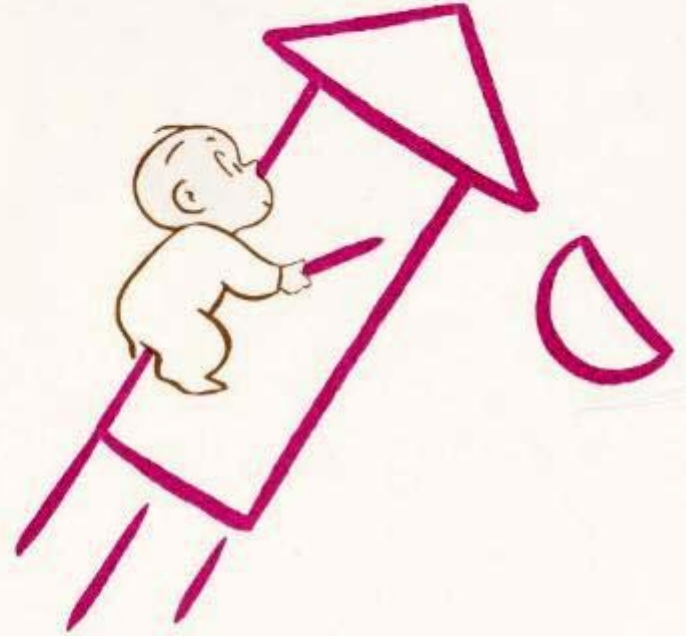
वो आसमान में तेज़ी से उठा.

लेकिन रॉकेट, चंद्रमा की सतह से
एक मील की दूरी से चूक गया.
अब हेरोल्ड और ऊपर चलता गया.

ऊपर और ऊपर, घुप्प अंधेरे
में वो चलता गया.
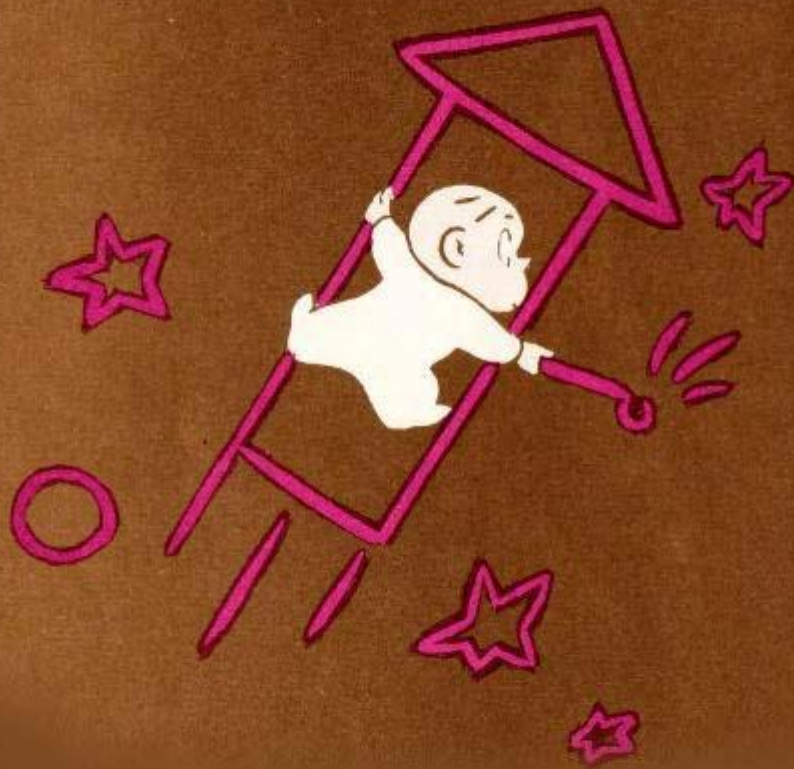
सितारों की स्थिति से हैरोल्ड ने यह अंदाज़ लगाने की कोशिश की कि वो कहाँ जा रहा था. उसने ग्रहों और धूमकेतुओं की स्थित से भी अनुमान लगाया.

पर उसे अपना रास्ता दिखाने के लिए वास्तव में एक चाँद की ज़रूरत थी.

लेकिन जब हेरोल्ड ने गौर से देखा,
तो उसे चाँद कहीं नहीं दिखा. पर एक
उड़न-तश्तरी देखकर उसे बड़ा ताज़्ज़ुब हुआ.
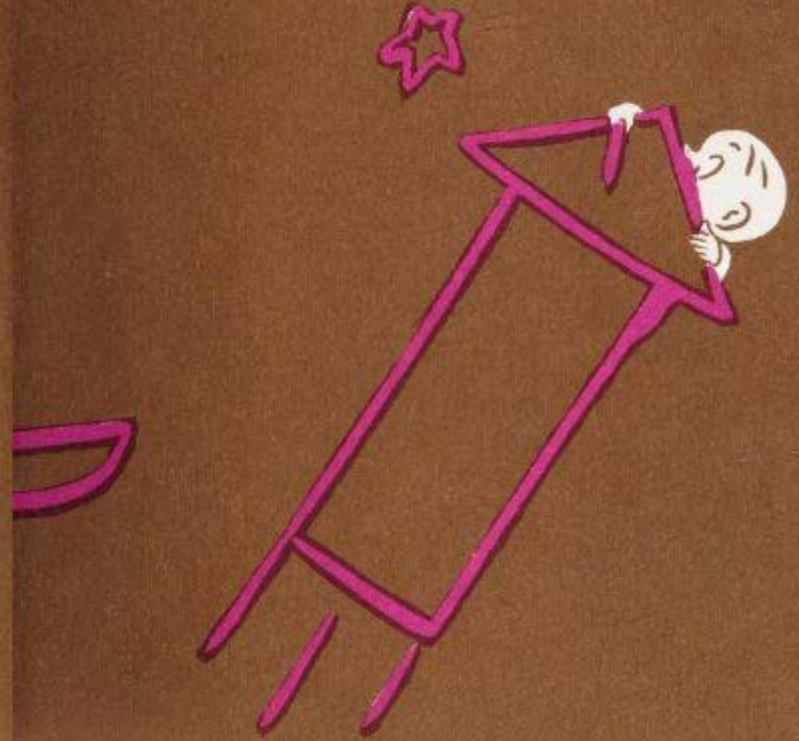
हेरोल्ड ने उड़न तश्तरियों के बारे में सुना था.
वो लोगों को अंधेरे में दिखाई देती थीं.
उनके अंदर क्या था, या उन्हें कौन उड़ा रहा
था, वो किसी को नहीं पता था.

फिर उसने अपने रॉकेट को तुरंत
लैंड करने का निर्णय लिया.
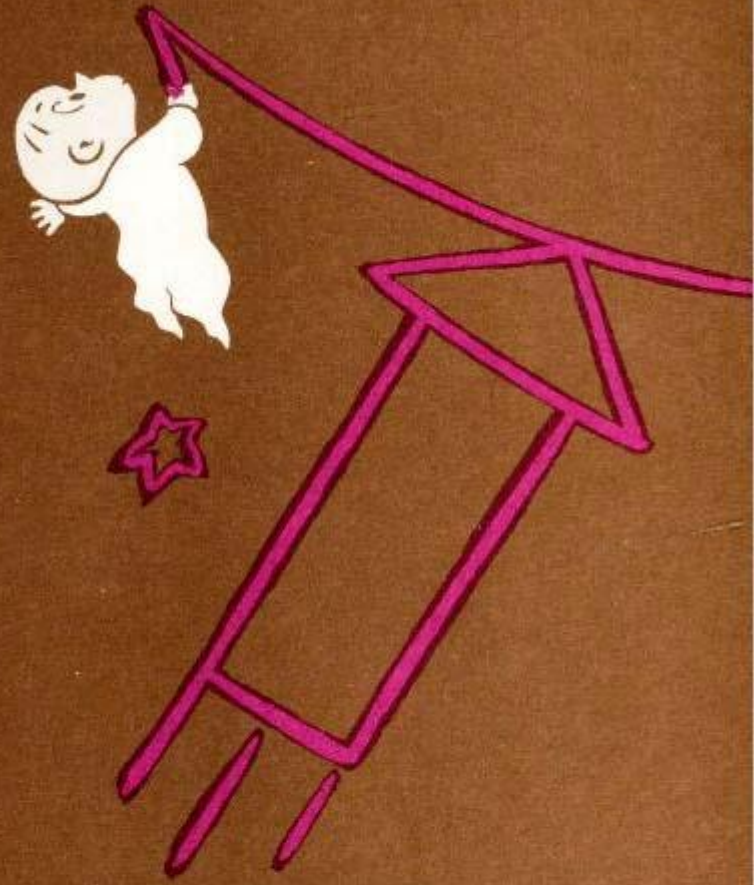
राकेट ने एक अजीब ग्रह के तल
पर एक टक्कर के साथ लैंड किया.

इतने बड़े ग्रह पर से उसे गिरने
का कोई खतरा नहीं था.

हालांकि, हेरोल्ड को लगा कि
अगर वो ग्रह के ऊपरी भाग पर लैंड
करता तो वो बेहतर होता.

उसने अचरज किया कि
वो किस ग्रह पर उतरा था.

तारों के अंधेरे में वो कुछ ऐसे संकेत खोज
रहा था जिससे उसे कुछ अता-पता चल सके.

वह मंगल ग्रह पर था.
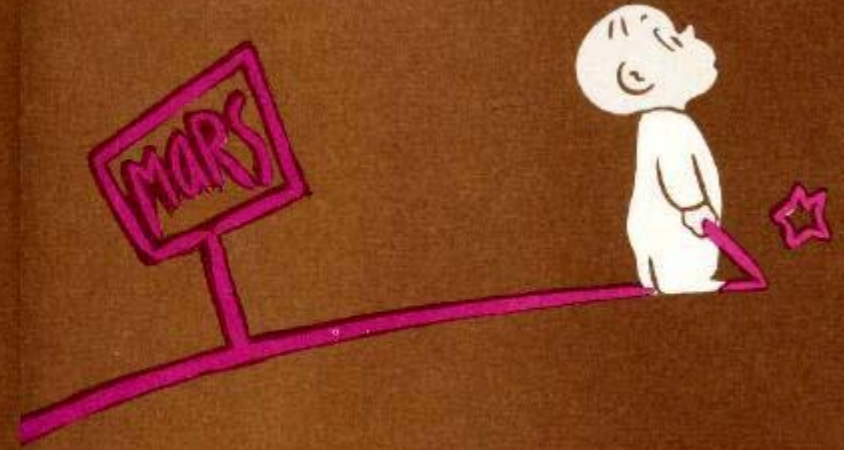
हेरोल्ड ने मंगल ग्रह पर लोगों के होने बारे
में सुना था. वो कई बार ज़ोर से "हेलो"
चिल्लाया, जिससे कोई उसे सुने.
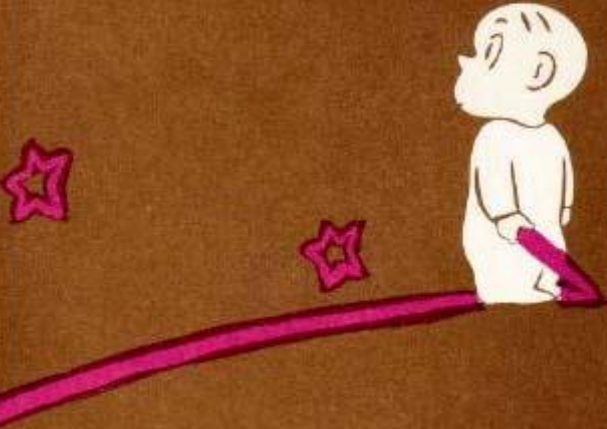
उसने उड़न-तश्तरी के बारे में भी सोचा. उसने उन चीजों के बारे में सोचा जो लोग अंधेरे में देखते हैं. अब उसे किसी साथी की बड़ी जरूरत महसूस हुई.

उसे इस बात का यकीन था कि मंगल पर अगर कोई आदमी होगा तो वो उसके साथ बड़ी हमदर्दी से पेश आएगा, क्योंकि हेरोल्ड उस अजनबी से बातचीत करने के लिए बहुत दूर से आया था.
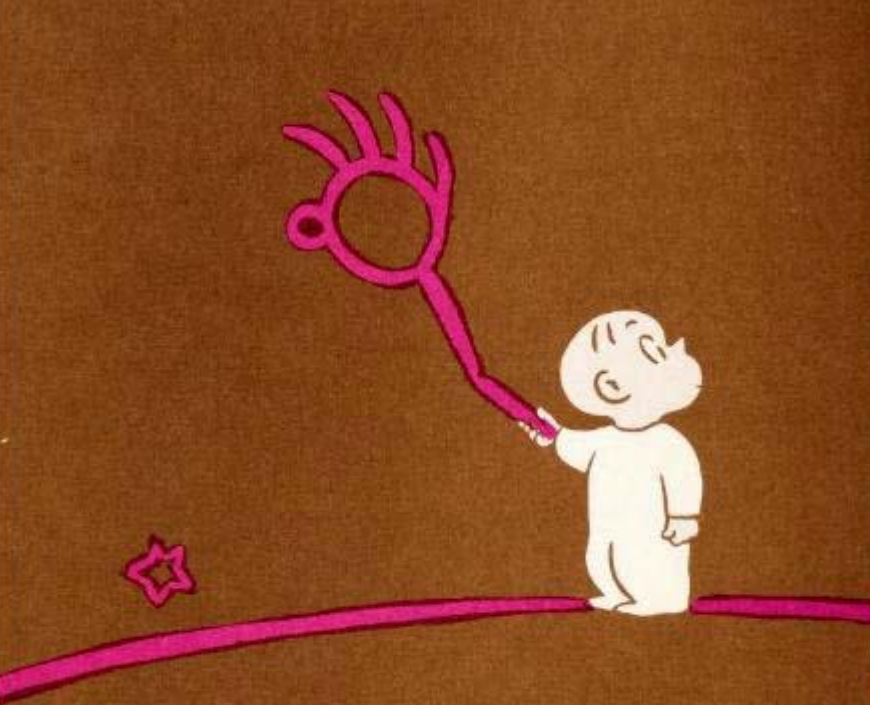
उसने अपने दिमाग पर ज़ोर डालकर सोचा -
मंगल ग्रह पर लोग कैसे दिखते होंगे?

लेकिन अंधेरे में लोग कैसे दिखते होंगे उस बात के
कोई मायने नहीं थे. इसलिए हेरोल्ड ने इस बात की
परवाह नहीं की कि वो कैसा दिख रहा था.

हेरोल्ड बस यह जानना चाहता था कि क्या
उसके आसपास कोई मित्र था, भले ही अंधेरे में
वो उसे स्पष्ट रूप से नहीं देख सकता था.

फिर, अचानक, हेरोल्ड ने
स्पष्ट रूप से कुछ देखा.
वो किसी चीज का चेहरा था.
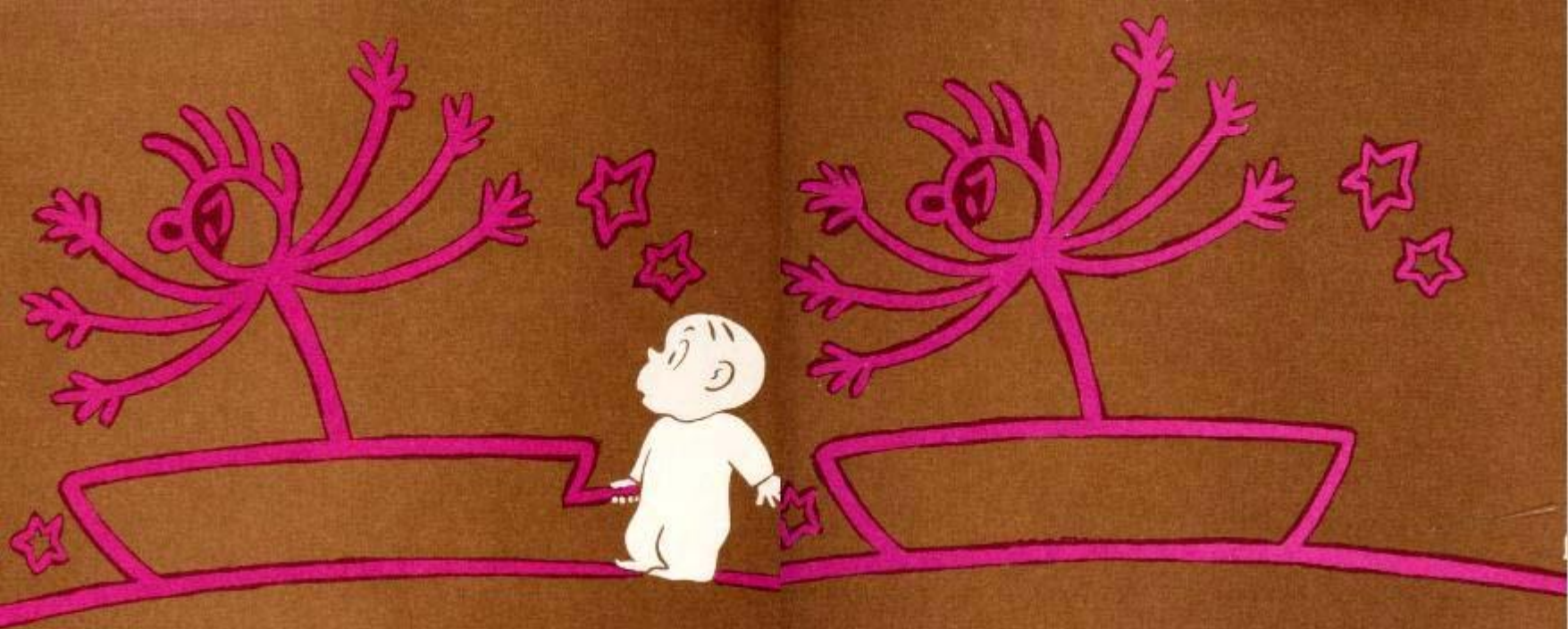
वो एक ऐसी चीज थी जिसे लोग अंधेरे में देखते थे.
और वो चीज़ एक उड़न-तश्तरी में बैठा था.

हेरोल्ड वहां से तुरंत भागा.

फिर उसने सोचा और रुक गया. शायद वह चीज
धरती की ओर उड़कर जा रही हो और उसका
उद्देश्य वहां किसी छोटे बच्चे को डराना हो?

फिर हेरोल्ड बहादुरी से वापस लौटा

वो दबे पांव वहां पहुंचा, जिससे वो
चीज़ उसे सुन न सके. और फिर हेरोल्ड
ने अपना बैंगनी क्रेयॉन उठाया.

उसने उड़न-तश्तरी में
क्रैक बनाकर उसे नष्ट किया.
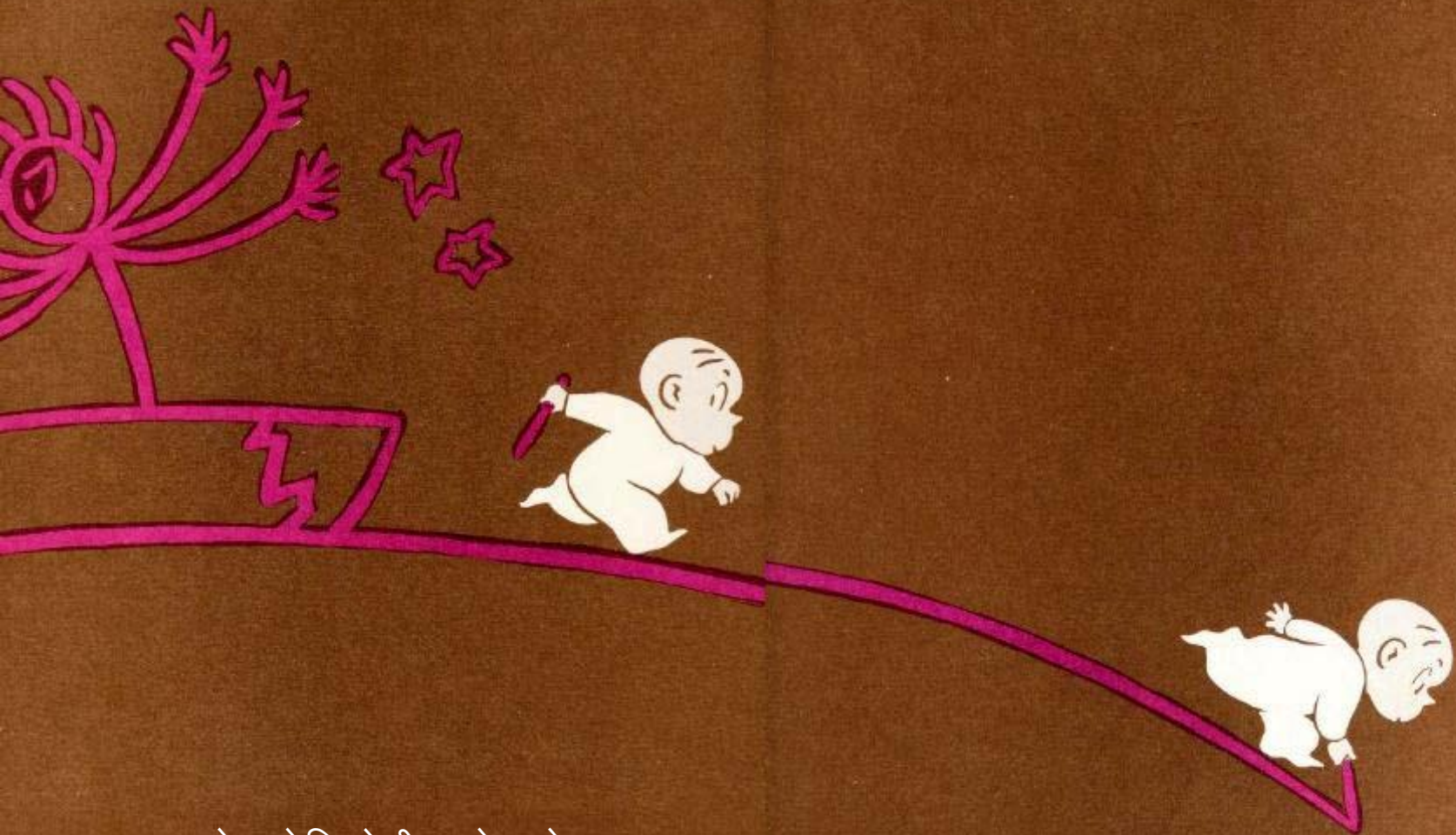
इससे पहले कि वो चीज़ उसे पकड़े
हेरोल्ड ख़ुश होकर वहां से भागा.

वो अंधेरे में जितनी तेजी से
भाग सकता था, भागा.

अच्छी बात यह थी कि
अधिकांश रास्ता ढलान वाला था.

दौड़ते हुए उसे लगा कि कहीं
वो सिर के बल गिर न जाए.
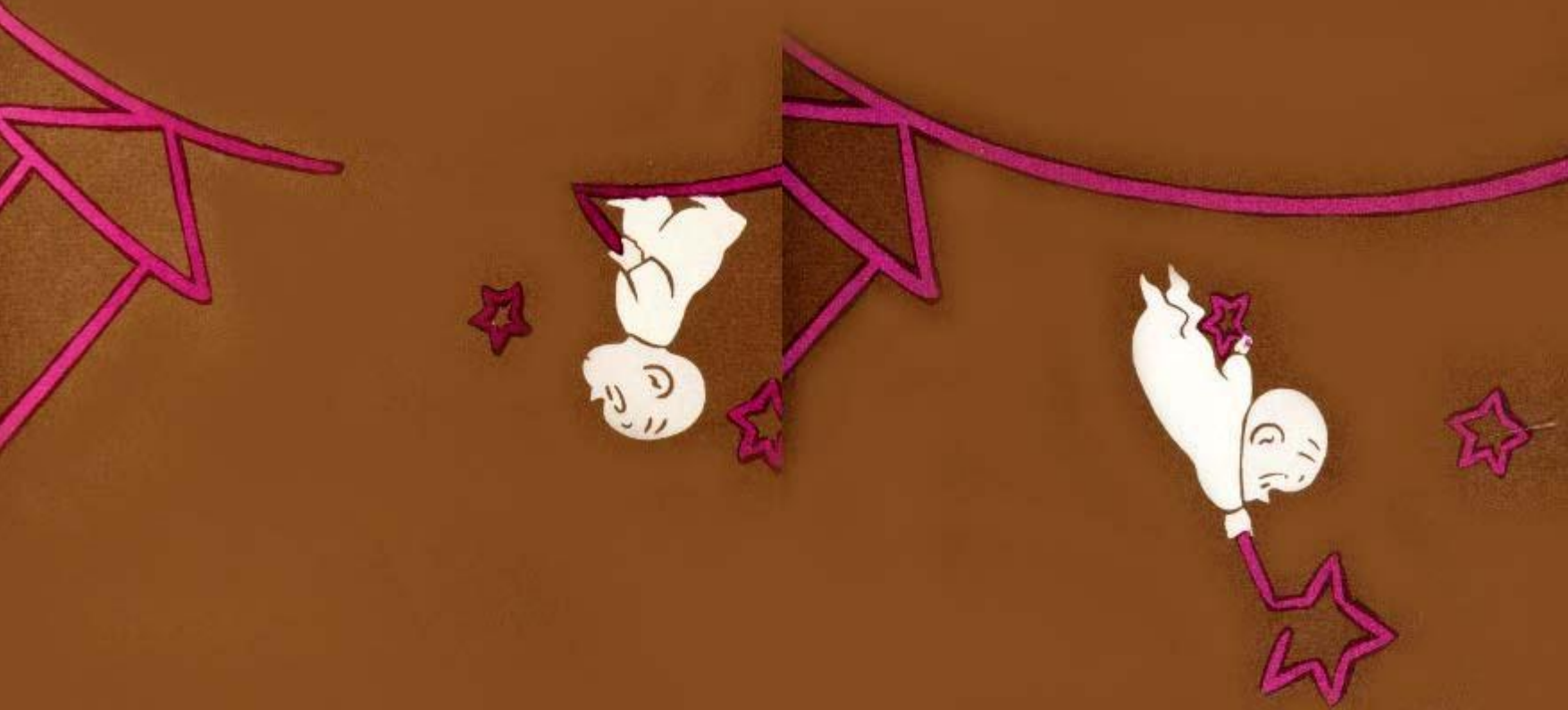
पर वो सुरक्षित रूप से मंगल ग्रह के नीचे पहुंचा, जहाँ उसका रॉकेट खड़ा था.

लेकिन इस समय तक हेरोल्ड कई रोमांचक कारनामे कर चुका था. अब वो किसी भरोसेमंद तरीके से घर वापिस पहुंचना चाहता था.

इसलिए वह सितारों पर चढ़ा.

उसकी स्पीड कुछ धीमी थी पर अब वो सुरक्षित था.
पर सितारों की नोकें उसके पैरों में चुभ रही थीं.
अब हेरोल्ड की घर पहुँचने की प्रबल इच्छा थी.

उसे याद आया कि वापिस जाने का सबसे अच्छा
तरीका पुच्छल तारे पर सवारी करना होगा.

फिर अगले क्षण वो एक बड़े
पुच्छल तारे पर कूद गया.

फिर हेरोल्ड ने सीधे पृथ्वी
पर आकर लैंडिंग की.
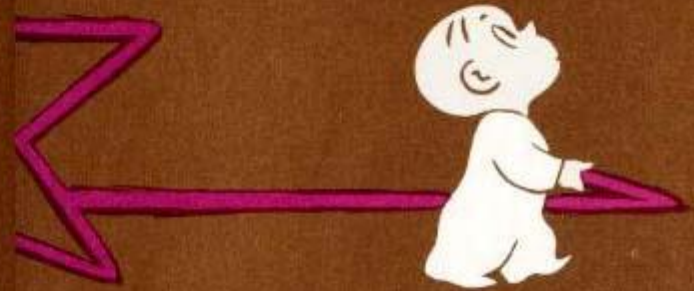
रास्ते में वो चाँद के पास से नहीं गुज़रा था.
चाँद का क्या हुआ? उसने सोचा.
उसे चाँद कहीं भी नहीं दिख रहा था.
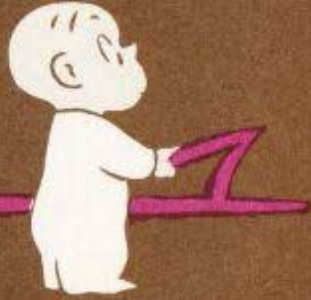
फिर उसे महसूस हुआ कि रात गुजरने
वाली थी और सूरज के उगने का समय हो
चुका था. हेरोल्ड बहुत भूखा था.
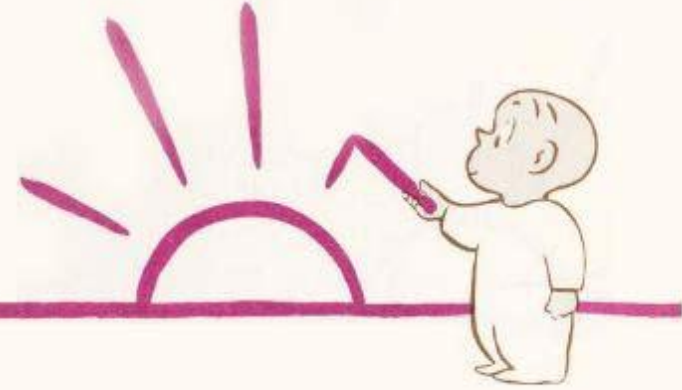
उसे सूरज ठीक समय पर
उगते हुए दिखाई दिया.
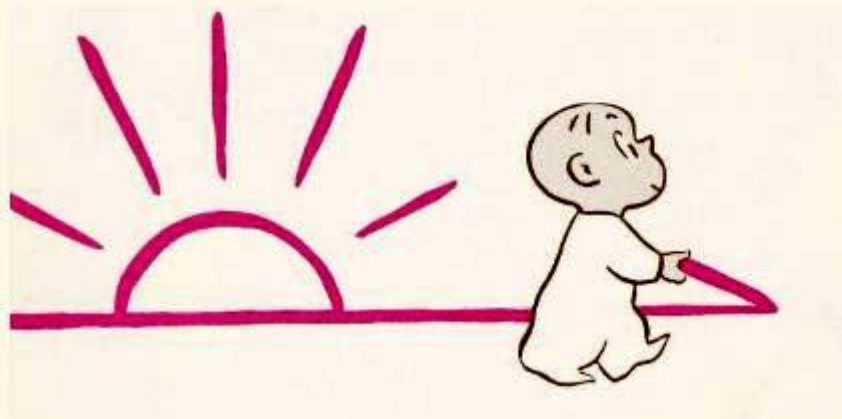
सूरज बड़ा और तेज़ था. हेरोल्ड को
लगा कि वो एक अच्छा दिन होगा.
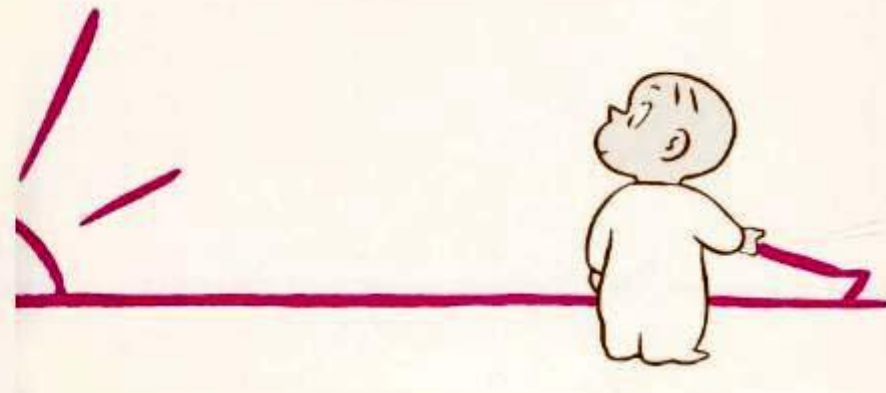
तेज़ धूप की रोशनी में लोगों को उड़न-तश्तरी
जैसी चीज़ें कभी परेशान नहीं करती हैं.
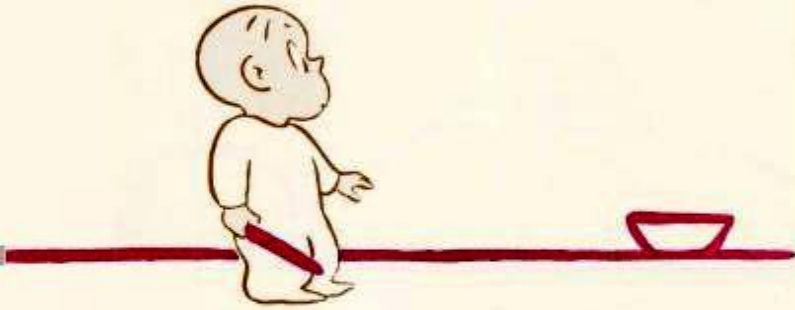
लेकिन, एक चौंका देने वाले क्षण के लिए उसे लगा जैसे
उसने एक उड़न तश्तरी देखी हो. वो क्षितिज पर थी,
और लग रहा था जैसे वो अभी उतरने वाली हो.
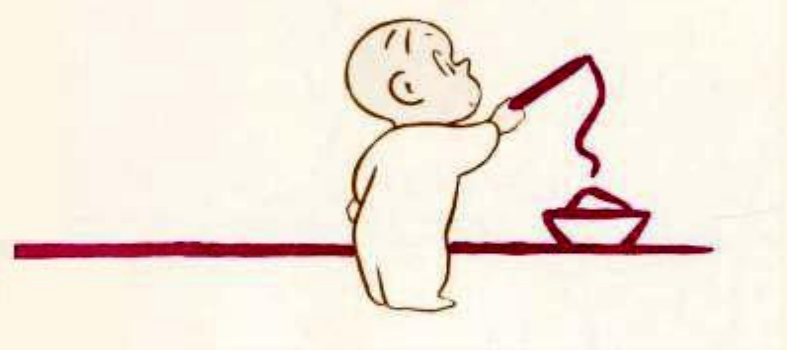
पर वो हेरोल्ड की गलतफहमी थी.
वो एक उड़न-तश्तरी नहीं थी,
बल्कि दलिए का कटोरा था.

हेरोल्ड को गरमा-गर्म नाश्ता पसंद था.

फिर जल्दी से उसने अपनी कुर्सी उठाई.

और फिर वो खाने के लिए बैठा.

समाप्त